विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स संगठन द्वारा सौंपा ज्ञापन

भोपाल इंदौर समाचार। आज मध्य प्रदेश विधानसभा सत्र के प्रथम दिन की कार्यवाही के बाद प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद कैस एडवोकेट ने विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर से उनके निजी निवास पर मुलाकात कर पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग का ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद कैस एडवोकेट ने विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि मध्य प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून की आवश्यकता है , प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाना नितांत आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर इस मामले को गंभीरता से सदन में रखेंगे।

आज की नारी ग्रुप ने सैनिकों को भेजी राखी

अलीराजपुर देश सेवा में समर्पित देश के रक्षक जो सब कुछ त्याग कर, अपने परिवारों को छोड़कर, घर से दूर सीमा पर तैनात है। देश के सभी भाई बहनों की सुरक्षा सेवा देते सैनिक 4भाइयों को आज की नारी ग्रुप की बहनों ने अपनी भावाभिव्यक्ति पत्र के माध्यम से समर्पित करते हुए राखी भेजी। पत्र के माध्यम से रक्षाबंधन की शुभकामनाएं, दीर्घायु व स्वस्थ स्वास्थ्य की कामना करते हुए धरती के असली नायक, वीर, बहादुर, असली शान, सुरक्षा स्तंभ,पराक्रमी, प्रहरी, कर्तव्य परायण, शौर्यवान, रक्षक, धरती के लाल आदि शब्दों से अपने पत्र में संबोधित किया और सैनिक हमारी शान, अभियान गर्व है कहा. कि आपके होते हुए हम आज घरों में सुरक्षित, चैन की नींद से सो रहे हैं?।आज की नारी ग्रुप की कैप्टन शगुन कोठारी के नेतृत्व में यह आयोजन किया गया। जिसमें ग्रुप की बबली परवाल, साधना सोमानी, मोनिका बेड़िया, नेहा पाठक, दुर्गा राठौर, प्रीति जैन सुनीता गौराना, राजकुमारी सोमानी, दीपा सिहोटा, अर्चना अगाल, नीता वाणी, विभा जैन, संध्या पांडे, शालिनी काबरा, सोनू शर्मा, संगीता अगाल, कुसुम कोठारी, अश्विनी शर्मा, प्रीति रेवड़िया, प्रांजल जैन, रक्षिता जैन, रूपल कोठारी, पूर्णिमा जोशी, अमीषा चौधरी, सोनिया वर्मा, बबीता गुप्ता, सुरभि नवाल, सारिका पाटीदार, सोनल मूर्ति, कीर्ति राठौर, किशोरी शाह, संगीता नंगवडिया, वर्षा उपाध्याय, माधुरी सोनी, मयूरी गुप्ता ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन की बधाई व आभार आज की नारी ग्रुप एडमिन प्रतिभा पंचोली ने किया.

मां धरा पर करो विहार

हे मां पार्वती अब क्यों नहीं करती तुम धरा पर विहार,
थोड़ा तोआ के शिव के साथ दीन दुखियों को लो निहार
हे मां योगेश्वर तो अखंड ध्यान मुद्रा में बैठे हैं अब बेफिक्र
मातेश्वरी तेरे सिवा कौन करेगा हमारे कष्टों का उनसे जिक्र
या पुत्र गणेश को लिख दे तू फ़रमान वो हमारे उपर ध्यान
यहां मतिहीन होते है स्वेच्छाचारी, तुमने ये दशा क्यों नहीं विचारी
त्रेता और द्वापर के पाप कहां लगते हैं, अबोध के पीछे हवसी भगते है
गर्भ में घोंट देते हैं शिशुओं का गला,इनके लिए मां दमन चक्र तो चला
मां शिवजी ने उद्धार के लिए दे दी गंगा,क्या हर पापी को वे कर देंगे चंगा
मां तुझे करनी होगी ये हमारी सिफारिश, मान ले मेरी ये गुजारिश
मां तुम नही आती तो हम बिलकुल भी नहीं धरा पर बुलाते
पर तुम्हारे ही ग्रंथ,धाम ही तो हमे तुम्हारे आने की बात हे बताते
मां जितनी करोगी यहां आने की देर, बढ़ रहा यहां प्रतिदिन अंधेर
मां यह मत कहना मेरी बात में दम नहीं है, तुझे दू मैं क्या प्रमाण
लोग अब दुत्कार रहे गो माता, कसाई खानो में छीन रहे उनके प्राण
मां एक दर्द हो तो करू बयां, मर्यादा का पल्लू बहनों के सिर से गया
शील आचरण के पहनावे को दिया है त्याग, पश्चिम की तरफ नारिया रही भाग
ममता का आंचल यहां अब नदारद हैं, कम कपड़ो में घूमने में महारत है
पहले पूरी बाहे ढंकी थी,फिर कोहनी तक ले आई अब कंधे भी खुले दिखाई देते हैं
इन अत्याधुनिक महिलाओं में अब इसे ही फैशन कहते हैं
हे मां पार्वती अब क्यों नहीं करती तुम धरा पर विहार
थोड़ा तो आ के यहां दीन दुखियों को शिव के साथ लो निहार।।

महेन्द्र वत्स, छापीहेड़ा जि. राजगढ़ (म. प्र.)465689

प्रकृति का रक्षाबंधन

सूरज,और धरा का,भाई बहन का रिश्ता,
सदियों से निभा रहे,है जगति का हिस्सा,
सावन का महिना,आया राखी का त्यौहार,
सलील बूंदों की झड़ी,पानी की फुंहार,
देख इंद्रधनुष आकाश,हर्षित,सब संसार,
धरा ने,सतरंगी इंद्रधनुषी राखी बांधी,सूरज,किरण कर,
देख मोहित जग,प्रकृति का राखी त्यौहार,
दिवाकर ने बहिन धरा को दिया,वचन,
मैं,तपकर,पर्जन्य से,करूं,हराभरा आंगन,संसार,
बहिना,धन धान्य से परिपूर्ण करूंगा तेरा घर,संसार,
राखी का बहिना,स्वीकारों,वर्षा,सादर उपहार,
सारा जग मोहित,देख,प्रकृति का रक्षाबंधन त्यौहार।
पर्जन्य-वर्षा सूरजकिरण कर-सूर्यके हाथ

नंदकिशोर उपाध्याय प्रबोधक
सरस्वती नगर धार(म.प्र.)

और पोल खुल गई शराब पीने वाले की

अक्सर सुनने में आता है कि बोतल के बोतल , पेटी के पेटी , कंटेनर के कंटेनर शराब थाने से , शराब के गोदाम से , शराब खाने में रखी हुई या पकड़ी गई या फिर जप्त की गई शराब कैसे गायब हो जाती है ? कौन पी जाता है ? यह आज तक किसी के समझ में नहीं आया । मौसम बे मौसम दिन रात सी बी आई की तरह मिस्टर इंडिया की तरह गायब हुई शराब की खोजबीन करने पर पता चला कि इतनी सारी शराब की बोतल खाली करने वाले और कोई चोर , लुटेरे , डाकू , कर्मचारी , अधिकारी , राजनेता नहीं है बल्कि चूहा पहलवान हैं जिन्होंने शराब की कई बोतले खाली कर दी । इतनी बड़ी घटना को आंखें वालों के साथ तिसरी आंखें भी देख नहीं पाई । है ना ! कमल का जादू , शराब गायब होने का । यह खबर जैसे ही चूहों की जमात को मिली तो उनके होश उड़ गए । उनके पैरों तले जमीन खिसक गई । चुहो ने कहा है , जिस भ्रष्टाचार के कारण यह घोटाला एक कांड के रूप में घटना की तरह घटीत हुआ है , उस पर किसी भी प्रकार से सबसे तेज बोलने वाले चैनलों पर चर्चा नहीं हो रही है। किसी तरह से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है । यह सिस्टम का कैसा स्वरूप है जो समझ में नहीं आ रहा है जो काम हमने किया ही नहीं उस में हम चुहों का नाम क्यों लिया जा रहा है ? मुझे इस वक्त एक कहावत याद आ रही है कि , कर गया मूछ वाला और पकड़ा गया पुछ वाला । हम चुहों की इतनी ताकत , हमारी इतनी औकात है की , हम शराब की बोतले की बोतले खाली कर दे वह भी किसी शराबी की तरह और वह भी खासकर जप्त की हुई शराब जो बंदूक धारी के संरक्षण में रखी हुई या मालखाने में पड़ी हुई । मुझे यहां किसी शायर का एक अश्आर याद आ रहा है । यहां दावाओं के तोहफे आते हैं दान में , सेहतमंदों से बचें तो मरीजों में बाटे । अरे भाई हमारे चुहा खानदान में , वंश में आज तक कोई शराबी पैदा नहीं हुआ जो शराब की बोतल खाली कर दे । हम देव आदि देव महादेव के बड़े पुत्र गणेश के वाहन जरूर है मगर इसका मतलब यह नहीं की हम किसी गंदी चीज को हाथ लगाएं । एक बात जरूर है हम चौपाये जरूर है । माफ करना हम चार पैर वाले हैं लेकिन , हमें पूरी पूरी शंका है । शंका ही नहीं पूरी-पूरी रूप से शंका है । मै पूर्ण रूप से आत्मविश्वास के साथ आजादी की अभिव्यक्ति के तहत में यह दावे के साथ कह सकता हूं , चाहे तो कोरे कागज पर हमारे चारों पैरों के निशान देकर कह सकता हूं कि शराब हमने नहीं भी बल्कि दो पैर वाले उसे मानव जाति वाले मानव ने पी है और नाम हमारा ले रहा है । चोर पकड़ में नहीं आया तो हम चुहों का नाम लेकर हमारी जाति को बदनाम कर रहा है । जो पकड़ाएगा चोर , वह मूछ वाला हीं निकलेगा हम पूछ वाले जरूर हैं मगर मूछ वाले की तरह हरकतों नहीं करते हैं । यही क़माल है ग़ायब होने वाली शराब का या फिर किसी अन्य वस्तुओं के गायब होने का कमाल है। कर गया मूछ वाला और पकड़ा गया पूछ वाला । समझ गई ना मेरे कहने का मतलब करे कोई भरे कोई ।

प्रकाश हेमावत
मकान नं 545 गली नं 5
बुद्धेश्वर मंदिर की तरफ
टाटा नगर रतलाम
मोबाइल नंबर
9301543440

अंत हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने हेतु ज्ञापन दिया

पेटलावद जन संख्या नियंत्रण कानून बनाने हेतु प्रति श्रीमान नरेंद्र जी मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम का आज दिनांक 28.7.2025 को अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल मालवा प्रान्त झाबुआ के पेटलावद तहसीलदार श्रीमान अनिल जी बघेल को मालवा प्रान्त महामंत्री महेशकांत चौहान ने ज्ञापन वाचन कर दिया। आज भारत के किसी भी प्रदेश में हिंदू समाज सुरक्षित नहीं है। हिन्दुओं के सभी त्यौहारों पर देश के किसी न किसी हिस्से में, या देश के किसी न किसी शहर में हमले होते हैं, शोभायात्राओं पर हमले हैं। पिछले दिनों में बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का दंगा जिसमें हिंदुओं को मारा गया।

पहलगाम में विशेष समुदाय ने सुनियोजित तरीके से आतंकी घटना को अंजाम दिया। बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुआ नरसंहार भी जनसंख्या में असंतुलन का ही परिणाम था। देश में बढ़ती हुई जनसंख्या का एक बड़ा कारण बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या समुदाय की घुसपैठ भी एक बड़ा कारण है, इस घुसपैठ को रोकना, और घुसपैठियों को बाहर निकालना भी जरूरी है। छांगुर जैसे विदेशी धन पर धर्मांतरण करने वाले सक्रिय गिरोह भी हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं।

छांगुर जैसे लोगों के विरुद्ध ऑपरेशन चलाने की आवश्यकता है।

इन घटनाओं को देखते हुए वर्तमान समय में बहुसंख्यक हिंदू समाज अपने धार्मिक पर्वों, सांस्कृतिक मूल्यों एवं अस्तित्व पर लगातार हो रहे हमलों के कारण गंभीर संकट की स्थिति में है।

अल्पसंख्यक कहलाने वाला विशेष समुदाय जो अभी तेजी से बढ़कर 15 प्रतिशत होने पर ही हिंदुओं पर हमला करता है।

विशेष समुदाय की बढ़ती संख्या हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा खतरा बन गई है।

देश में बढ़ती हुई आबादी एवं जनसंख्या के कारण आने वाले गंभीर खतरों को देखते हुए भारत सरकार को जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए कठोर कानून बनाने की आवश्यकता है। कोई व्यक्ति एक या एक से अधिक पत्नियों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करता है तो उस पति पत्नी को आजीवन कारावास जैसे कठोर दंड का प्रावधान किया जाए। साथ ही उसके परिवार को मिलने वाली सभी शासकीय सुविधाओं को प्रतिबंधित करते हुए मताधिकार भी समाप्त किया जाए।

ऐसे कठोर दंड के डर से देश में बढ़ती हुई आबादी पर रोक लगाई जा सकती है।

हमारी सरकार से मांग है कि अवैध बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या घुसपैठियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए अविलंब उन्हें देश से निष्कासित किया जाये।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की यह मांग भारत में केवल हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए ही नहीं, अपितु भारत के विकास और समृद्धि के लिए भी आवश्यक है।

अतः ऐसा कठोरतम कानून बनने से भारत के विकसित राष्ट्र बनने का सपना शीघ्र पूरा होगा ।

ज्ञापन वाचन कर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल पदाधिकारी महेशकांत चौहान मालवा प्रान्त महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल, वासुदेव आंजना जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, पवन गेहलोत जिला कार्यकारी अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद,

शैलेन्द्रसिंह राठौर जिला कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, गोविंद पाटीदार तहसील अध्यक्ष अंतर राष्ट्रीय हिंदू परिषद, कुलदीप चौहान तहसील अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, गोविंद पाटीदार तहसील अध्यक्ष राष्ट्रीय किसान परिषद, सुनील मैडा तह.उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, सुजल मुनिया तह.उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, जतिन पाटीदार तह.उपाध्यक्ष राष्ट्रीय छात्र परिषद, हरिओम दास वैरागी तह.सहमंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल, लक्की जाजपर नगर अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल एवं अभिषेक गामड़ मंत्री,राज प्रजापत सहमंत्री,देव बामनिया सहमंत्री, गौरव नायक आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी जिला अध्यक्ष वासुदेव आंजना ने दी।

(1)

सबक याद
अमल कीजिएगा
फायदा होगा

विज्ञान युग
प्रगति है आसान
फायदा उठा

माता पिता की
दुआओं का न मोल
सेवा कीजिए

हर तरफ
यत्र तत्र सर्वत्र
कहर चाप

सबका साथ
न नगर विकास
जस के तस

छल कपट
यत्र बत्र सर्वत्र
किधर जाए

परिवार में
चिरागों की थी माला
सही न एक

रंग बिरंगा
खुशियों का संसार
अनुभव ले।

(2)

नर्मदांचल के मोती
बिन पेटी के लौटे

नीति व नियत का
करते खत्म अस्तित्व
झूठ पर
टिकाए सिद्धांतों का अस्तित्व
पांच साल में
आए एक बार
जेब गरम बड़े मोटे हैं
टूटी खटियां व झोपड़ी
में
हम बहुत छोटे हैं
मजदूर भी
किस्मत में बस
चटनी व रोटे हैं
अनकहीं अनसुनी
अनदेखी करने वाले
ही तो
बिन पैदी के लौटे हैं

प्रदीप शर्मा
27 नर्मदा मार्ग महेश्वर
(खरगोन)।

लाडकी बहन योजना का लाभ पुरुष भी उठा रहे हैं

यह सुनकर ही हमें आश्चर्य लगता है कि महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए शुरू की गई योजना का लाभ चोदह हजार पुरुष भी उठा रहे हैं। अतः कह सकते हैं कि एक तरह से यह लाडकी बहन योजना में एक बड़े घोटाले की तरफ इशारा करता है, कारण महाराष्ट्र में यह योजना इक्कीस से पेसठ वर्ष की महिलाओं के लिए शुरू की गई थी जिसमें हर महिला के लिए उसके खाते में पंद्रह सो रूपए ट्रांसफर करने की योजना थी तब किस तरह इस योजना का लाभ राज्य के पुरूष भी उठा रहे हैं , यह तो बहुत ही शर्म की बात है। इस बात का पता तब चला जब ऐसी जानकारी मिली कि कुछ अपात्र महिलाएं भी इसका गलत ढंग से लाभ उठा रही है तब उसी दौरान पुरूषों के भी इसमें भाग लेने की भी जानकारी मिली। अतः तब सरकार का यहां यह कहना है कि गलत तरीके से लाभ लेने वाली महिलाओं से पुनः रिकवरी की जाएगी लेकिन यदि कोई पुरुष इस योजना का लाभ ले रहा है तब फिर उससे भी न केवल पेसा वापिस लिया जाएगा बल्कि उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अतः यहां हमारा यह भी कहना है कि दुख है कि गरीब महिलाओं के लिए शुरू की गई इस योजना में पुरुषों द्वारा घोटाला कर अपना नाम किस तरह से जुड़ा लिया लिया गया है तथा सरकारी कर्मचारी ऐसे में इस घोटाले को नहीं पकड़ सके हैं अतः कहीं ऐसा तो नहीं है कि इसमें उनका भी कोई हाथ तो नहीं है।

मनमोहन राजावत राज
शाजापुर।

पूर्णिका

सब कुछ छोड़ जाते सब यही के लिए।
बहुत सुंदर संदेश, ये सभी के लिए।।
क्यों करना फसारा जो संभले नही।
ना मिलेगा रत्ती भी एक घड़ी के लिए।।
मत इतरा बशर चढ़कर यूं मंचो पर।
हम सब ग्रास है काल की बलि के लिए।।

मिली जिंदगी तो कर ले कर्म अच्छे।
वरना क्या कहेगा किया खुदी के लिए।।
बेबसी में क्यों कोशता हैं ईश को।
तूने दिए कभी दो पल हरी के लिए।।
हर घडी हर पल ला ला ही किया है।
दिया नही इस जीवन में दुखी के लिए।।
गम तो बहुत है मगर खुशियां कम हैं।
कभी उठाया कदम किसी खुशी के लिए।।
बहुत मिलेगे फ्री मधुकर जमाने में।
देगें साथ फक्त अपनी भली के लिए।।

गीतकार मनोहरसिंह चौहान मधुकर

पद्मश्री जगदीश जोशीला का सम्मान

निमाड़ियों और निमाड़ी भाषा का सम्मान - सचिन यादव

भोपाल । भोपाल के कम्यूनिटी हॉल मारूतिनंदन काम्पलेक्स, सहयोग विहार में राजधानी निमाड़ समाज की ओर से सोमवार 28 जुलाई को पद्मश्री जगदीश जोशीला का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वास सारंग, मंत्री सहकारिता एवं खेल एवं युवा कल्याण थे, जो कि खरगोन निमाड़ के प्रभारी मंत्री भी है।

कार्यक्रम में विधायक खरगोन बालकृष्ण पाटीदार, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव एवं पूर्व मंत्री श्री पी.सी. शर्मा भी उपस्थित थे। सभी अतिथियों का निमाड़ समाज के संरक्षक अधिवक्ता ओम पाटीदार द्वारा स्वागत भाषण एवं पुष्प- मालाओं से स्वागत किया । श्री विश्वास सारंग सहित सभी उपस्थित अतिथियों ने पद्मश्री जगदीश जोशीला का शॉल श्रीफल, सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक सचिन यादव ने कहा कि जगदीश जोशीला का सम्मान सम्पूर्ण निमाडियों और निमाड़ी भाषा का सम्मान है । यह हम सब के लिए गर्व की बात है ।

सोनल पाटीदार, पार्वती जाधव, राधा यादव एवं परिधि गुप्ता द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवि ठक्कर द्वारा किया गया । गणपति यादव, अध्यक्ष निमाड़ समाज के द्वारा सम्मान पत्र का वाचन किया गया और आभार व्यक्त किया गया। डेली कॉलेज के विद्यार्थी रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार एवं पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा ने अपना उद्बोधन निमाड़ी भाषा में दिया। पद्मश्री जगदीश जोशीला ने भी अपना उद्बोधन निमाड़ी भाषा में दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि पद्मश्री जगदीश जोशीला मेरे विधानसभा क्षेत्र से हैं और उनकी निमाड़ी भाषा के प्रति तपस्या सफल हुई और भारत सरकार द्वारा द्वारा उनको पद्मश्री दिया गया। पी.सी. शर्मा ने कहा कि श्री जोशीला ने अपनी साहित्यिक लाईन से कार्य करते हुये निमाड़ भाषा को सम्पूर्ण राष्ट्र में पहचान दी है।

निमाड़ी को मिले राजभाषा का दर्जा - जगदीश जोशीला

पद्मश्री जगदीश जोशीला ने कहा कि निमाड़ी भाषा निमाड़ की माँ है और हम सबको निमाड़ी भाषा को राज्य भाषा का दर्जा दिलाये जाने का कार्य करना होगा। जनगणना में भी अपनी भाषा निमाड़ी भाषा लिखवाना होगा। मुख्य अतिथि विश्वास सारंग ने कहा कि पद्श्री जगदीश जोशीला ने निमाड़ को और निमाड़ी भाषा को भारत वर्ष में प्रतिष्ठा दिलायी है। मैं भी खरगोन निमाड़ का प्रभारी मंत्री हूँ श्री जोशीला का सम्मान करते हुये मुझे खुशी हो रही है । राजधानी निमाड़ समाज के संरक्षक एवं अधिवक्ता ओम पाटीदार द्वारा यह भी मांग की गई कि निमाड़ 04 जिलों - बुरहानपुर, खण्डवा, खरगोन एवं बड़वानी में है, किन्तु निमाड़ी भाषा धार जिले की भी भाषा है इसलिए खरगोन को निमाड़ संभाग बनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर खण्डवा के सुप्रसिद्ध गायक प्रवीण चौबे द्वारा ''ये झामरू'' का गायन भी किया गया। सम्मान समारोह में निमाड़ समाज के सदस्य एवं निमाड़ी बहनें बहुतायत में उपस्थित थी । कार्यक्रम के उपरांत सामूहिक भोज का भी आयोजन हुआ ।